परिशिष्ट-2

अधिशासी अधिकारी एवं कर व राजस्व निरीक्षक परीक्षा—2023 पाठ्यक्रम

लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार)

प्रश्नपत्र—I सामान्य हिन्दी (वस्तुनिष्ठ प्रकार)

समयावि	धिः २ घण्टे प्रश्नों की संख्याः 100 अधिकतम ३	अंकः 100
1	वर्ण-विचार : स्वर एवं व्यंजन, स्वर और व्यंजन वर्णों का वर्गीकरण, वर्णों का उच्चारण-स्थान, अनुस्वार, अनुनासिक, विसर्ग आदि।	15
2	हिन्दी शब्द-समूह : तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी शब्द।	10
3	हिन्दी शब्द-रचना : 1 — उपसर्ग, प्रत्यय, सन्धि, समास।	10
4	हिन्दी शब्द-रचना : 2 — पर्यायवाची, विलोम शब्द।	10
5	हिन्दी शब्द-रचना : 3 — अनेकार्थक शब्द, शब्द-युग्म, श्रुतिसम भिन्नार्थी शब्द।	10
6	वाक्यांश के लिए एक शब्द।	05
7	अशुद्धिशोधन : शब्दगत वर्तनी अशुद्धिशोधन, वाक्यगत अशुद्धिशोधन।	10
8	लोकोक्ति एवं मुहावरे।	10
9	विरामचिह्न ।	05
10	व्याकरण-विचार : संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, लिंग, वचन, काल, कारक।	15

<u>प्रश्नपत्र—॥</u>

सामान्य अध्ययन (वस्तुनिष्ठ प्रकार)

अधिकतम अंक- 200

प्रश्नों की संख्याः 200

समय- 03 घण्टे

- 1 अन्तर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं राज्य के महत्व की समसामयिक घटनाएं :— इसके 20 अंक अन्तर्गत राष्ट्रीय महत्व की घटनाएं जैसे— गठबंधन सरकार व्यवस्था, आर्थिक उदारीकरण, आर्थिक मंदी, क्षेत्रीय अतिवाद तथा पृथकतावादी आन्दोलन— नक्सलवाद, माओवाद, राष्ट्रीय सुरक्षा, आन्तरिक सुरक्षा, सामुदायिक सौहार्द्र और अन्तराष्ट्रीय परिदृश्य में जैसे नाभिकीय नीति— मुद्दे एवं विवाद; भूमण्डलीकरण का विकासशील देशों की सामाजिक—आर्थिक परिस्थितियों पर प्रभाव एवं वैश्विक खाद्य संकट सिम्मिलित होंगे।
- 2 <u>खेल-कूद</u> :-विश्व, भारत एवं उत्तराखण्ड की महत्वपूर्ण खेलकूद प्रतियोगिताएं, 10 अंक पुरस्कार एवं सम्बन्धित व्यक्तियों पर आधारित प्रश्न होंगे।
- 3 <u>भारत का इतिहास</u> :—भारत के प्राचीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास के **20 अंक** अन्तर्गत भारत के राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक तथा सांस्कृतिक पक्षों की जानकारी; भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन, राष्ट्रवाद का विकास एवं स्वतंत्रता की प्राप्ति।
- 4 भारतीय संविधान का सामान्य ज्ञान :—इसके अन्तर्गत भारतीय संविधान पर 20 अंक आधारित ऐसे प्रश्न होंगे जिनकी किसी ऐसे शिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जा सकती है जिसने कभी संविधान का विशेष अध्ययन न किया हो। सूचना का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, सेवा का अधिकार, बौद्धिक सम्पदा का अधिकार और उपभोक्ता संरक्षण अधिकार, समाज के निर्बल एवं अल्पसंख्यक समुदाय के लिये बनाये गये विभिन्न कानून तथा कल्याणकारी कार्यक्रम एवं उनके उत्थान हेतु विभिन्न राष्ट्रीय एवं राज्य आयोग से सम्बन्धित प्रश्न भी होंगे।
- 5 <u>भारतीय राज्यव्यवस्था और अर्थव्यवस्था</u> :—इसके अन्तर्गत भारतीय राजनैतिक 10 अंक व्यवस्था, पंचायती राज एवं सामुदायिक विकास, भारतीय अर्थव्यवस्था एवं योजना की विशिष्टताओं की व्यापक समझ से सम्बन्धित प्रश्न होंगे। भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि, उद्योग, व्यापार तथा सेवा क्षेत्र।
- 6 <u>भारत का भूगोल एवं जनांकिकी</u> :— इसके अन्तर्गत भारत के भौगोलिक, **20 अंक** पारिस्थितिकीय, सामाजिक—आर्थिक एवं जनांकिकीय पहलुओं की सामान्य समझ से संबंधित प्रश्न होंगे।

7 सामान्य विज्ञान एवं पर्यावरण :—सामान्य विज्ञान एवं पर्यावरण के अन्तर्गत विज्ञान एवं पर्यावरण की समझ एवं अनुप्रयोग जिसमें दैनिक जीवन के प्रेक्षण एवं अनुभव पर ऐसे प्रश्न होंगे, जिसकी किसी भी ऐसे शिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जा सकती है, जिसने विज्ञान की किसी भी शाखा का विशेष अध्ययन नहीं किया हो। जैसे कि वैश्विक पर्यावरणीय समस्यायें एवं समाधान, मानव के शारीरिक विकास हेतु पोषणीय आवश्यकताएं, अनुवांशिक अभियंत्रण के मानवहित में अनुप्रयोग, पशु, पक्षी एवं पादपों के रोग तथा इनकी रोकथाम। नवीकरणीय और गैर—नवीकरणीय उर्जा स्रोत।

10 अंक

10 अंक

10 अंक

- 8 <u>भारतीय कृषि</u> :—इसके अन्तर्गत फसलों, श्वेत, पीत एवं हरित क्रांति, कृषि उत्पादन तथा इसका भारतीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था में योगदान, कृषि के क्षेत्र में नैनो एवं जैव प्रौद्योगिकी का उपयोग, भारतीय किसानों की समस्यायें एवं भूमि सुधार, कीटनाशकों का वर्गीकरण और सही प्रयोग, मृदा स्वास्थ्य एवं सुधार, जैविक खेती एवं इसके लाभ पर आधारित प्रश्न होंगे।
- 9 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी :—इस भाग में उम्मीदवारों के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, 10 अंक सूचना प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के क्षेत्र में विकास तथा कम्प्यूटर सम्बन्धी आधारभूत ज्ञान तथा साइबर अपराध के ज्ञान का परीक्षण होगा।
- उत्तराखण्ड का इतिहास : उत्तराखण्ड की ऐतिहासिक पृष्टभूमिः प्राचीनकाल (आरम्भ से 1200 ई० तक)ः मध्यकाल (1200 से 1815 ई० तक)ः प्रभावशाली राजवंश एवं उनकी उपलब्धियाँ विशेषकर कत्यूरी, परमार तथा चंद राजवंश, गोरखा आक्रमण एवं शासन, ब्रिटिश शासन, टिहरी रियासत एवं उसकी शासन व्यवस्था, स्वतंत्रता आन्दोलन में उत्तराखण्ड की भूमिका और इससे सम्बन्धित प्रमुख विभूतियाँ, प्रमुख ऐतिहासिक स्थल एवं स्मारक, उत्तराखण्ड राज्य निर्माण आन्दोलन, उत्तराखण्ड के लोगों का राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय क्षेत्रों में विशेष रूप से सशस्त्र बलों में योगदान; विभिन्न समाज सुधार आन्दोलन तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, बच्चों, दिलतों एवं महिलाओं हेतु उत्तराखण्ड शासन के विभिन्न कल्याणकारी कार्यक्रम।
- 11 <u>उत्तराखण्ड की संस्कृति</u> : जातियां एवं जनजातियां, धर्म एवं लोक विश्वास, 10 अंक साहित्य, लोक साहित्य, जागर, परम्पराएं एवं रीति—रिवाज, वेश—भूषा एवं आभूषण, मेले एवं त्योहार, खान—पान, कला शिल्प, नृत्य, गायन एवं वाद्य यंत्र, प्रमुख पर्यटन—स्थल, महत्वपूर्ण खेलकूद, प्रतियोगिताएं एवं पुरस्कार, उत्तराखण्ड के प्रसिद्ध लेखक एवं किव तथा उनका हिन्दी—साहित्य एवं लोक—साहित्य में

योगदान, उत्तराखण्ड शासन द्वारा संस्कृति के विकास हेतु उठाए गए कदम।

12 <u>उत्तराखण्ड का भूगोल एवं जनांकिकी</u>ः भौगोलिक स्थिति, उत्तराखण्ड हिमालय की प्रमुख विशेषताएं, उत्तराखण्ड में निदयां, पर्वत, जलवायु, वन संसाधन एवं बागवानी, प्रमुख फसलें एवं फसल चक् । सिंचाई के साधन तथा जलविद्युत, कृषि जोतें, प्राकृतिक एंव मानव जनित आपदायें एवं आपदा प्रबन्धन, जल संकट और जलागम प्रबन्धन, दूरस्थ क्षेत्रों की समस्याऐं, पर्यावरण एवं पर्यावरणीय आन्दोलन, जैव विविधता एवं इसका संरक्षण, उत्तराखण्ड की जनसंख्याः वर्गीकरण, धनत्व, लिंगानुपात, साक्षरता एवं जनसंख्या पलायन।

13 उत्तराखण्ड का आर्थिक, राजनीतिक व प्रशासनिक परिवेश :

20 अंक

10 अंक

10 अंक

राजनीतिक एवं प्रशासनिक परिवेश:—उत्तराखण्ड में गठित सरकारें एवं उनकी नीतियाँ, राज्य की विभिन्न प्रकार की सेवाएं, प्रदेश की राजनैतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था, पंचायती—राज, सामुदायिक विकास तथा सहकारिता।

प्रशासनिक व्यवस्था की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि—गोरखा एवं ब्रिटिश शासन काल में भूमि सम्बन्धी व्यवस्थाएँ— जिला भूमि प्रबन्धन (थोकदारी, वन पंचायतें, सिविल एवं सोयम वन केशर हिन्द (बेनाप भूमि) नजूल, नयाबाद बन्दोबस्त), आधुनिक काल—उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड जमींदारी उन्मूलन एवं भूमि व्यवस्था अधिनियम लागू होने के बाद भूमि—सुधार, लैंड टैन्योर में परिर्वतन, लगान वसूली व्यवस्था, राजस्व पुलिस—व्यवस्था।

आर्थिक परिवेश:— सीमान्त जनपदों का प्राचीन काल में तिब्बत से व्यापार एवं व्यापार की वर्तमान स्थिति, स्थानीय कृषि, पशुपालन, कृषि जोतों की अलाभकारी स्थिति व चकबंदी की आवश्यकता, बेगार तथा डडवार प्रथा।

उत्तराखण्ड के आर्थिक एवं प्राकृतिक संसाधनः—मानव संसाधन, प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था एवम् प्रमुख शिक्षण संस्थान, वन, जल, जड़ी—बूटी, कृषि, पशुधन, जल—विद्युत, खनिज, पर्यटन, उद्योग तथा इनके उपयोग की वर्तमान स्थिति, उत्तराखण्ड में गरीबी व बेरोजगारी, उन्मूलन व आर्थिक विकास की दिशा में चलाई जा रही विभिन्न योजनाएँ/आर्थिक कियायें एवं इनका राज्य जी० डी० पी० में योगदान, उत्तराखण्ड में विकास की प्राथमिकतायें व नियोजन की नवीन रणनीति तथा समस्याएँ। उत्तराखण्ड में विपणन की सुविधाएं तथा कृषि मण्डियां, उत्तराखण्ड के बजट की प्रमुख विशेषताएँ।

15 सांख्यिकीय विश्लेषण, आरेख एवं रेखाचित्र :-इस भाग में अभ्यर्थी की 10 अंक सांख्यिकीय आरेखों एवं रेखा चित्रों के रूप में प्रस्तुत सूचना से निष्कर्ष निकालने और उनका निर्वचन करने की योग्यता का परीक्षण होगा। 23

General Studies (Objective Type)

Maximum Marks-200 No. of Questions-200 Time-3 Hours

- 1 Current events of International, National and State Importance: 20
 It will cover events of national importance like coalition Marks
 government system, economic liberalization, economic recession,
 regional extremism and separatist movements Naxalism and
 Maoism; national security, internal security, communal harmony
 and international perspectives like nuclear policy-issues and
 conflicts; impact of globalization on the socio-economic conditions
 of developing countries and global food crisis.
- 2 Sports and Games: Questions based on important sports, games and tournaments, awards and personalities of the world, India and Marks Uttarakhand will be asked.
- 3 **History of India:** History of India will cover a broad understanding of ancient, mediaeval and modern India's political, socio-economic **Marks** and cultural aspects; Indian freedom movement, growth of nationalism and attainment of Independence.
- 4 General Knowledge of Indian Constitution: Questions will be set on Indian Constitution as may be expected from an educated Marks person who has not made a special study of the Constitution. Right to information, Right to Service, Right to education, Intellectual property rights and Consumer protection rights. Questions will also be asked on different Acts and Welfare programmes passed for the weaker and minority sections of society and different National and State Commissions for their upliftment.
- Indian polity and Economy: The questions will cover Indian polity,
 Panchayati raj and Community development, broad features of

Indian economy and planning. Agriculture Industry, Trade and Marks Service Sector in Indian Economy.

10

- 20 6 Geography of India and Demography: It will include questions on broad understanding of geographical, ecological, socio-economic **Marks** and demographic aspects of India.
- 7 **General Science and Environment:** Questions on General science and environment will cover general understanding and application **Marks** of science and environment including matters of day to day observation and experience, as may be expected from an educated person who has not made a special study of any particular scientific discipline such as global environmental problems and solutions, nutritional requirements for human growth, application of genetic engineering in human welfare; diseases of cattle, birds, plants and their prevention, Renewable and non-Renewable sources of energy.
- 8 **Indian Agriculture:** Questions will cover the general awareness of 10 candidates in respect of crops, white, yellow and green Marks revolutions, agricultural production and its contribution to rural economy, use of Nano and bio-technologies in the field of agriculture, problems of Indian farmers, and land reforms, Classification of pesticides and their judicious uses, Soil health and its improvement, Organic farming and its benefits.
- 9 Science and Technology: Questions will be based on candidate's 10 awareness of the development in the field of science and Marks technology, information technology, space technology, electronic media, basic knowledge of computer and cyber crime.
- **History of Uttarakand :** Historical background of Uttarakhand: 10 10 Ancient period (from earliest to 1200 AD); Mediaeval period (from Marks 1200 to 1815 AD): Important dynasties and their achievements

specially Katyuri, Parmar and chand dynasties; Gorkha invasion and administration, British rule, Tehri State and its administration, role of Uttarakhand in the Freedom movement of India and related eminent personalities, historical sites and monuments; movement for the formation of Uttarakhand, contribution of people of Uttarakhand in national and international fields, especially in Armed forces; different social reform movements, and different welfare programmes of Uttarakhand for SC, ST, children, minorities and women.

11 Culture of Uttarakand: Castes and tribes, religious and folk beliefs, literature and folk literature, Jagar, traditions and customs, costumes and ornaments; Fairs and Festivals, food habits, Art and Crafts, dances, songs, musical instruments, major tourist places, important sports, tournaments and awards, famous authors and poets of the Uttarakhand and their contribution in the field of Hindi literature and folk literature, Steps taken by Uttarakhand Government for the development of culture.

12 Geography and Demography of Uttarakhand:

Marks

10

10

Marks

Geographical Setup. Salient features of Uttarakhand Himalaya. Rivers, mountains, climate, forest resources and horticulture of Uttarakhand, Major crops and crop rotation, Means of irrigation, Agricultural holdings. Natural and man made calamities and Disaster management, Water crises and watershed management, Problems of remote areas. Environment and environmental movements, Biodiversity and its preservation. Population of Uttarakhand: Classification, density, sex ratio, literacy and outmigration.

13 Economic, Political and Administrative Background of 20
Uttarakhand: Marks

Political and Administrative Background- Elected governments in Uttarakhand and their policies, different services in the State, the political and administrative systems, Panchayti raj, Community development and Co-operatives.

The historical background of the adminstrative system in Uttarakhand- Land management system under Gorkha and British rules-district land management (Thokdari, van panchayat, civil and soyam forest, Kesar-i-hind(benap land)Nazul, nayabad settlements), Modern period- Uttar Pradesh and Uttarakhand land reforms, change in land tenures and collection of land revenue after the enforcement of Zamidari Abolition Act, revenue police system.

Economic background – Indo-Tibetan trade from border districts, the present position, local agriculture and animal husbandry, the uneconomic condition of land holdings and need for consolidation of holdings, Begar and Dadwar systems.

14 Economic and natural resources: Human resources, Education system of the State and important educational institutes; forest, water, herbs, agriculture, animals, hydro electricity, minerals, tourism, industries the present position of utiliszation of resources.

Marks

10

Various schemes being implemented in Uttrarakhand for the eradication of poverty and unemployment and for economic development. Economic activities and their contribution in the State GDP. The priorities of development in Uttarakhand and new strategies of planning and problems. Marketing facilities in Uttarakhand and agriculture mandis. The salient features of the

budget of Uttarakhand State. Statistical analysis, graphs and diagrams: Questions will be based 15 10 on candidate's ability to draw conclusions from information Marks presented in statistical, graphical and diagrammatical form and to interpret them.

परिशिष्ट-3

अधिशासी अधिकारी एवं कर व राजस्व निरीक्षक परीक्षा—2023 लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) हेतु नगरों की सूची

अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन-पत्र के सम्बन्धित कॉलम में परीक्षा केन्द्र के लिए नगर हेतु अपना विकल्प प्रस्तुत करें-

Sr. NO.	City Name	City
		Code
1	अल्मोड़ा	01
2	रानीखेत	02
3	चम्पावत	03
4	पिथौरागढ़	04
5	नैनीताल	05
6	हल्द्वानी	06
7	रूद्रपुर	07
8	खटीमा	08
9	बागेश्वर	09
10	पौड़ी	10
11	श्रीनगर	11
12	कोटद्वार	12
13	गोपेश्वर	13
14	नई टिहरी	14
15	रूद्रप्रयाग	15
16	उत्तरकाशी	16
17	देहरादून	17
18	ऋषिकेश	18
19	हरिद्वार	19
20	रूड़की	20

नोट:— अभ्यर्थियों की संख्या के अनुसार प्रारम्भिक परीक्षा हेतु नगरों की संख्या घटायी—बढ़ायी जा सकती है। आयोग अभ्यर्थियों को उनके द्वारा प्रस्तुत विकल्प के अनुसार आवेदित नगरों में परीक्षा केन्द्र आवंदित करने का प्रयास करेगा, किन्तु अपरिहार्य परिस्थितयों में अभ्यर्थियों को उनके विकल्प से इतर अन्य नगर भी आंवदित किये जा सकते हैं, जिसमें आयोग का निर्णय अंतिम होगा। केन्द्र निर्धारण के उपरान्त केन्द्र परिवर्तन के संबंध में किसी भी प्रकार के अनुरोध/प्रत्यावेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।